

पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)  
भारत सरकार

\*\*\*

‘हर काम देश के नाम’

नई दिल्ली, कार्तिक 02, 1945  
मंगलवार, अक्टूबर 24, 2023

रक्षा मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश में अग्रिम चौकियों का दौरा किया; एलएसी पर रक्षा तैयारियों की समीक्षा की

सैनिकों के साथ दशहरा मनाया और तवांग में की शस्त्र पूजा

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के बीच देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है; सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी प्रमुख हथियार और प्लेटफार्म भारत में ही बनें: श्री राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अक्टूबर 24, 2023 को अरुणाचल प्रदेश में अग्रिम चौकियों का दौरा किया। वहां उन्होंने सशस्त्र बलों की परिचालन तैयारियों का जमीनी स्तर पर आकलन किया। रक्षा मंत्री ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों से बातचीत की और उनके साथ दशहरा मनाया। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा में डटे सैनिकों की अदम्य भावना, अटूट प्रतिबद्धता और अद्वितीय साहस को सराहा, साथ ही यह आभार व्यक्त किया कि हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में सीमाओं पर तैनात रहते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि राष्ट्र सदैव सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि पूरे देश को सशस्त्र बलों पर गर्व है।

श्री राजनाथ सिंह ने तवांग में सैनिकों के साथ शस्त्र पूजा की, जहां उन्होंने दोहराया कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अपने संबोधन में, उन्होंने सशस्त्र बलों के वीरों की सच्चाई और धर्म को विजयदशमी के त्योहार के लोकाचार का जीवंत प्रमाण बताया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों की वीरता और प्रतिबद्धता एक मुख्य कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का कद बढ़ा है और यह अब सबसे शक्तिशाली देशों में से एक है। इटली के अपने हालिया दौरे का हवाला देते हुए, रक्षा मंत्री ने मॉन्टोन स्मारक (पेरुगिया प्रांत) की चर्चा की जिसे द्वितीय विश्व युद्ध में मॉन्टोन को मुक्त करने के लिए इतालवी अभियान में लड़ने वाले नायक यशवंत घाडगे और अन्य भारतीय सैनिकों के योगदान का सम्मान करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि न केवल भारतीय, बल्कि इतालवी लोग भी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी को विश्व स्तर पर जाना माना जाता है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए श्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है और सरकार रक्षा उपकरणों के स्वदेशी उत्पादन से देश के सैन्य कौशल को मजबूत करने के लिए सभी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा “प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' की दिशा में विशाल प्रगति हुई है। इससे पहले, हम अपनी सेना को अपग्रेड करने के लिए आयात पर निर्भर थे। लेकिन आज, देश के भीतर कई प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों का निर्माण किया जा रहा है। विदेशी कंपनियों को अपनी प्रौद्योगिकी साझा करने और घरेलू उद्योग के साथ भारत में उपकरणों का उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। 2014 में रक्षा निर्यात का मूल्य लगभग 1,000 करोड़ रुपये था, लेकिन आज हम हजारों करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहे हैं।”

रक्षा मंत्री ने तवांग युद्ध स्मारक का भी दौरा किया, जहां उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की और 1962 के युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि दी। उनके साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता; जीओसी, 4 कोर लेफ्टिनेंट जनरल मनीष एरी और भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

श्री राजनाथ सिंह ने असम के तेजपुर में चौथी कोर के मुख्यालय का भी दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने फॉर्मेशन की परिचालन तत्परता की समीक्षा की, जिसे देश के सबसे पूर्वी हिस्सों में से एक में तैनात किया गया है। रक्षा मंत्री को एलएसी पर बुनियादी ढांचे के विकास और अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों की परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों और प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कोर के सभी रैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य और सेवाओं की सराहना की।

**एबीबी/एसएस**